वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2010-11

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य।

View of the Meeting of the Board of Directors

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम,
जयपुर-302 005

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की पचासवीं वार्षिक साधारण सभा **महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम, भारतीय विद्या भवन, के.एम. मुंशी मार्ग, ओ.टी.एस. के सामने, जयपुर में सोमवार, दिनांक 6 जून, 2011 को दोपहर 12.00 बजे** (मानक समय) आयोजित की जायेगी जिसमें 1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2011 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मण्डल के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार कर पारित किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर
दिनांक: 03 मई, 2011

शिव कुमार
प्रबन्ध निदेशक

NOTICE

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme,
Jaipur-302 005

NOTICE is hereby given that the Fiftieth Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Maharana Pratap Auditorium, Bharatiya Vidya Bhavan, K.M. Munshi Marg, Opp. O.T.S., Jaipur on Monday, the 6th June, 2011 at 12.00 Noon** (Standard Time) to discuss and adopt the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2010 to 31st March, 2011.

By Order of the Board

Jaipur
Dated: 03rd May, 2011

Shiva Kumar
Managing Director

विषय-सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य Highlights	03 03
निदेशक मण्डल Board of Directors	04 05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन Directors' Report	06 07
बासेल-II प्रकटीकरण Basel-II Disclosures	68 69
तुलन-पत्र Balance Sheet	106 106
लाभ-हानि खाता Profit & Loss Account	108 108
अनुसूचियां Schedules	110 110
प्रमुख लेखा नीतियां Principal Accounting Policies	122 123
खातों पर टिप्पणियाँ Notes on Accounts	136 137
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन Auditors' Report	172 173

उन्नति का एक दशक 2002-2011
A Decade of Progress 2002-2011

(₹करोड़ में)
(₹in Crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee	प्रति कर्मचारी निवल लाभ (₹लाख में) Net Profit per Employee (₹In lakh)
मार्च March 2002	752.11	17592	390.61	164.50	802	1.29	1.31
मार्च March 2003	903.45	20391	440.85	203.28	804	1.46	1.63
मार्च March 2004	1148.57	25457	681.35	301.52	812	1.70	2.44
मार्च March 2005	1297.68	31294	729.64	205.65	824	2.20	1.69
मार्च March 2006	1405.66	37790	481.03@	145.03	832	2.77	1.20
मार्च March 2007	1653.71	49246	679.20@	305.80	844	3.56	2.57
मार्च March 2008	1713.21	59427	661.18@	315.00	850	4.45	2.73
मार्च March 2009	2046.47	69312	892.84@	403.45	860	5.55	3.55
मार्च March 2010	2417.40	81622	903.73@	455.16	861	6.28	3.96
मार्च March 2011	2850.81	95596	1140.25@	550.88	902	7.51	4.84

@ निवेशों के मूल्यांकन के लिए भारिबैं द्वारा जारी पुनरीक्षित दिशानिर्देशों को दृष्टिगत करते हुए।
Keeping in view revised RBI guidelines on valuation of investments.

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(₹करोड़ में)
(₹in Crore)

		2009-10	**2010-11**
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits		81622	95596
जमाराशियाँ Deposits		46059	53852
कुल अग्रिम Total Advances		35563	41744
अग्रिम (निवल) Advances (Net)		35223	41207
निवेश (निवल) Investments (Net)		13601	13521
निवल लाभ Net Profit		455.16	550.88
जमाओं की लागत Cost of Deposits		6.20%	5.81%
अग्रिमों पर आय Yield on Advances		10.14%	10.30%
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin		2.70%	3.38%
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves		2417.40	2850.81
प्रति अंश आय (₹ में) Earning per Share (in ₹)		84.16	101.53
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (₹ में) Book Value per Share (in ₹)		483.48	570.16
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	बासेल-I के अनुसार As per Basel-I	11.94%	11.32%
	बासेल-II के अनुसार As per Basel-II	13.30%	11.68%
लाभांश दर Dividend Rate		144%	164%
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross Non Performing Assets		611.85	835.40
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Gross NPA %		1.72%	2.0%
निवल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Net NPA %		0.78%	0.83%
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors		13560	15112
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture		6092	7316
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को अग्रिम Advances to Micro and Small Enterprises		4652	4878
निर्यात वित्त Export Finance		1735	1890
शाखाओं की कुल संख्या Total number of branches		861	902
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees		12356	11946
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee		6.28	7.51
प्रति कर्मचारी निवल लाभ (₹ लाख में) Net Profit per Employee (₹ in lakh)		3.96	4.84

निदेशक मण्डल (31 मार्च, 2011 को) / BOARD OF DIRECTORS (AS ON 31st March, 2011)

श्री ओ.पी. भट्ट अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र मादाम कामा रोड, मुम्बई . 400 021	भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अधयक्ष	**Shri O.P. Bhatt** Chairman State Bank of India, Corporate Centre Madame Cama Road, Mumbai-400 021	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
श्री शिव कुमार प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत	**Shri Shiva Kumar** Managing Director State Bank of Bikaner and Jaipur Head Office, Tilak Marg, Jaipur - 302 005	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री राजेश वर्मा क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, होशंगाबाद रोड, भोपाल	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत	**Shri Rajesh Verma,** Regional Director, Reserve Bank of India, Hoshangabad Road, Bhopal	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री बी. एस. गोपालकृष्ण महाप्रबन्धक (सहयोगी एवं अनुषंगी) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र , मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत	**Shri B.S. Gopalakrishna** General Manager (A & S) Associate Banks Department, State Bank of India, Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री बी. रमेश बाबू उप महाप्रबन्धक (सहयोगी एवं अनुषंगी) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र मुम्बई – 400 021	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत	**Shri B. Ramesh Babu** Dy. General Manager (A & S) Associate Banks Department, State Bank of India Corporate Centre, Mumbai-400 021	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री अमरीक सिंह अवर सचिव, भारत सरकार वित्त मंत्रलय, वित्तीय सेवाएँ विभाग, (बैंकिंग प्रभाग), तृतीय तल, जीवनदीप बिल्डिंग, संसद मार्ग नई दिल्ली – 110 001	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत	**Shri Amrik Singh** Under Secretary, Govt. of India, Ministry of Finance, Deptt. of Financial Services (Banking Division), 3rd Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi -110 001	Nominated by the Central Government under clause (e) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
श्री रतन कुमार रूंगटा 61/45, प्रताप नगर, सांगानेर टोंक रोड, जयपुर – 302 033	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी)के अधीन चयनित निदेशक	**Shri Ratan Kumar Roongta** 61/45, Pratap Nagar Sanganer, Tonk Road, JAIPUR-302 033	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री संजीव शर्मा द्वारा-क्वॉण्टम बैंकिंग रिसोर्सेज सेन्टर (प्रा.) लि. ए-703, 'समुद्रा', टेलीफोन एक्सचेंज के पास, सी.जी.रोड के सामने अहमदाबाद – 380 006	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत	**Shri Sanjeev Sharma** C/o Quantum Banking Resources Centre (P) Ltd., A-703, "Samudra" Near Telephone Exchange, Off C.G. Road, AHMEDABAD- 380 006	Nominated by the State Bank of India under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री कुनाल डालमिया लिण्डसे टॉवर, नवम तल, 13, नेलिसेन गुप्ता सारणी, कोलकाता – 700 087	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक	**Shri Kunal Dalmia,** Lindsay Tower, 9th Floor, 13, Nelisen Gupta Sarnee, Kolkata-700 087	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act
श्री राजेन्द्र कुमार शाह 1346, अजब-घर का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर – 302 003	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत	**Shri Rajendra Kumar Shah** 1346, Ajab-ghar Ka Rasta, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003	Nominated by the Central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the Act.
श्री डी.के. जैन एस. डब्ल्यू. ओ. स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर अंचल कार्यालय, पटेल सर्कल, उदयपुर – 313 001	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत	**Shri D.K. Jain,** S. W. O. State Bank of Bikaner & Jaipur, Zonal Office, Patel Circle, Udaipur-313 001	Nominated by the Central Government under clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the Act.

निदेशक मण्डल (31 मार्च 2011 को)
BOARD OF DIRECTORS (AS ON 31st March, 2011)

श्री ओ.पी. भट्ट
अध्यक्ष
Shri O.P. Bhatt
Chairman

श्री शिव कुमार
प्रबन्ध निदेशक
Shri Shiva Kumar
Managing Director

श्री राजेश वर्मा
Shri Rajesh Verma

श्री बी.एस. गोपालकृष्ण
Shri B.S. Gopalakrishna

श्री बी. रमेश बाबू
Shri B. Ramesh Babu

श्री अमरीक सिंह
Shri Amrik Singh

श्री रतन कुमार रूंगटा
Shri Ratan Kumar Roongta

श्री संजीव शर्मा
Shri Sanjeev Sharma

श्री कुनाल डालमिया
Shri Kunal Dalmia

श्री राजेन्द्र कुमार शाह
Shri Rajendra Kumar Shah

श्री डी.के. जैन
Shri D.K. Jain

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2011

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2011 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

विश्व अर्थव्यवस्था

वर्ष 2010-11 विश्व अर्थव्यवस्था में सतत सुधार का साक्षी रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वर्ल्ड इकॉनामिक आउटलुक के अप्रैल 2011 अंक में, वैश्विक वृद्धि के अनुमान को, वर्ष 2010 में हुई 5% वृद्धि, जो कि हाल के वर्षों में वृद्धि की उच्चतम दरों में से एक है, की तुलना में वर्ष 2011 के लिए 4.4% को, अपरिवर्तित रखा है। हालांकि, वैश्विक वृद्धि कमजोर, असमान और यूरो क्षेत्र तथा मध्य पूर्वी क्षेत्रों में तनाव, प्राकृतिक आपदाओं व मध्यम अवधि की वित्तीय सुदृढ़ीकरण योजनाओं को सूत्रबद्ध लागू करने में हुई कम प्रगति के कारण उभरने वाली गिरावट जोखिमों से घिरी रही है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि सुदृढ़ बनी हुई है जबकि विकसित देश धीमी प्रगति कर रहे हैं तथा उच्च राजकोषीय घाटे व बेरोजगारी स्तर के साथ अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। वैश्विक वित्तीय स्थिरता, सार्वभौमिक साख जोखिमों और खाद्यान्न एंव ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के फलस्वरूप भी महती चिन्तायें बनी हुई हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

वैश्विक आर्थिक संकट के कारण उत्पन्न मंदी के बावजूद भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित किया है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार, भारत के सकल घरेलू उत्पाद (वर्ष 2004-05 मूल्य आधारित) में वर्ष 2009-10 में दर्ज की गई 8.0% वृद्धि की तुलना में वर्ष 2010-11 में 8.6% की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक (आईआईपी) में अप्रैल-मार्च 2010-11 के दौरान 7.8% की कम वृद्धि दर्ज हुई, जबकि गत वर्ष की समान अवधि के तुलनात्मक समय में यह 10.5% थी। मुख्य ढांचागत उद्योगों की विकास दर भी अप्रैल-मार्च 2010-11 में सुधर कर 5.9% हो गई जो गत वर्ष इसी अवधि में 5.5% थी।

वर्ष 2010-11 में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अच्छा सुधार हुआ है। भारत के निर्यात (अमरीकी डॉलर में) में अप्रैल-मार्च 2010-11 के दौरान 37.5% की वृद्धि दर्ज हुई वहीं आयात 21.6% बढ़े। विश्व अर्थव्यवस्था में सुधार की सम्भावनाओं से प्रेरित एवं भारत के प्रमुख आकर्षक केन्द्र के रूप में उभरने से, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अप्रेल-मार्च 2010-11 में भारतीय पूँजी एवं ऋण बाजारों में 32.2 बिलियन अमरीकी डॉलर की निवल राशि का निवेश किया जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 30.2 बिलियन अमरीकी डॉलर का अन्तर्वाह हुआ था। इसके अलावा, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में अन्तर्वाह के साथ ही भारत का विदेशी विनिमय कोष, 25.7 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि के परिणामस्वरूप, अन्त मार्च 2011 तक 304.7 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर तक पहुँच गया।

वर्ष 2010-11 के दौरान थोक मूल्य सूचकांक (डब्लूपीआई) के अन्तर्गत वस्तुओं के समूह एवं भारांकन को संशोधित करने के अतिरिक्त भारत सरकार ने आधार वर्ष 1993-94 को बदल कर 2004-05 करते हुए थोक मूल्य सूचकांक (डब्लूपीआई) की नई श्रृंखला लागू की है। वर्ष के दौरान थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति घटकर मार्च 2011 में 8.98% हो गई जो अप्रैल 2010 में 11.23% थी। अच्छे मानसून से अप्रभावित रहते हुए मुद्रास्फीति विशेष रूप से ऊँचे खाद्यान्न मूल्यों के कारण, उच्च स्तर पर बनी रही है। वर्ष 2011-12 के केन्द्रीय बजट में, एक समान वस्तु एवं सेवा कर को क्रियान्वित करने की प्रस्तावना के रूप में, रियायतों को कम करने के साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की मानक दर 10.0% को यथावत रखा गया है ।

भारत सरकार के वित्त राज्य मन्त्री श्री नमो नारायण मीना बैंक की 900वीं शाखा का गांव ''सुकेर'' में उद्घाटन करते हुए।

Hon'ble State Finance Minister, Govt. of India Shri Namo Narayan Meena inaugurating 900th branch of the Bank at Village "Sukar".

REPORT OF THE BOARD OF DIRECTORS TO THE STATE BANK OF INDIA, THE RESERVE BANK OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF INDIA IN TERMS OF SECTION 43(1) OF THE STATE BANK OF INDIA (SUBSIDIARY BANKS) ACT 1959

PERIOD COVERED BY THE REPORT: 1ST APRIL 2010 TO 31ST MARCH 2011

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2011.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

WORLD ECONOMY

The year 2010-11 has witnessed continued recovery in the global economy. The International Monetary Fund (IMF), in its, April 2011 issue of the World Economic Outlook, has kept unchanged the global growth outlook for the year 2011 to 4.4%, compared to a growth of 5.0% in the year 2010, which was one of the highest rates of growth in recent years. However, the global recovery remains fragile, uneven and fraught with significant downside risks arising on account of tensions in the Eurozone and middle-east areas, natural calamities and lack of progress in formulating medium term fiscal consolidation plans. Growth in emerging economies remains strong, while advanced countries are growing slowly and facing uncertainty with large fiscal deficits and unemployment levels. Major concerns also remain about global financial stability, sovereign credit risks and rising food & energy prices.

INDIAN ECONOMY

The Indian economy has exhibited strong recovery from the slowdown caused by the global crisis. As per the advance estimates made by the Central Statistical Organisation, India's Gross Domestic Product (GDP) at 2004-05 prices is expected to record a growth of 8.6% during 2010-11 compared to the growth of 8.0% recorded during 2009-10. The Index of Industrial Production (IIP) recorded a lower growth of 7.8% during April-March 2010-11 compared to a growth of 10.5% in the corresponding period last year. Growth of core infrastructure industries has improved to 5.9% during April-March 2010-11, as against 5.5% during the corresponding period of the previous year.

There has been a good recovery in international trade during 2010-11. India's exports increased by 37.5% in US dollar terms during April-March 2010-11, while imports registered a growth of 21.6%. Encouraged by global recovery and India emerging as a major attractive destination, foreign institutional investors invested a net amount of US$ 32.2 billion in Indian equity and Debt markets during April-March 2010-11 compared to an inflow of US$ 30.2 billion in the same period of previous year. This, together with foreign direct investment inflows, has resulted in India's foreign exchange reserves rising by US$ 25.7 billion to reach a level of US$ 304.7 billion as on end-March, 2011.

During 2010-11, Government of India launched a new Wholesale Price Index (WPI) Series by shifting the base year from 1993-94 to 2004-05 besides revising the weights and the basket of commodities covered under the WPI. During the year, WPI inflation declined from 11.23% in April 2010 to 8.98% in March 2011. Notwithstanding good monsoons, inflation has remained at elevated levels particularly on account of high food prices. The Union Budget 2011-12 has maintained the standard rate of central excise duty at 10% with reduction in exemptions as a prelude to implementation of the Uniform Goods and Service Tax.

बैंक के प्रबन्ध निदेशक श्री शिव कुमार, महामहिम राज्यपाल श्री शिवराज पाटिल से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

The Managing Director of the Bank Shri Shiva Kumar, paying a Courtesy visit to the Hon'ble Governor of Rajasthan Shri Shivraj Patil.

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 10.4% तथा जनसंख्या का 5.5% भाग आवृत्त करते हुए राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (2004-05 की कीमतों पर) में वृद्धि की दर पिछले वर्ष की 4.3% की तुलना में वर्ष 2010-11 में 9.7% रहने का अनुमान है। राज्य की स्थिर मूल्यों पर आधारित प्रति व्यक्ति आय, वर्ष 2009-10 के ₹23,653 से, 8.3% की वृद्धि दर्ज करते हुए, बढ़कर वर्ष 2010-11 में ₹25,616 होने का अनुमान है। राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्त्वपूर्ण भूमिका है चूंकि 76.6% व्यक्ति ग्रामीण एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में रहते हैं तथा राज्य की दो तिहाई जनसंख्या अपनी आजीविका हेतु कृषि एवं कृषि पर आधारित गतिविधियों पर निर्भर है। वर्ष 2010-11 के दौरान राज्य में अच्छा मानसून रहने से कृषि उत्पादन में 51.8% वृद्धि होने की आशा है। कुल मिलाकर राज्य में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष में रही, क्रमशः -12.4%, 9.9% तथा 8.5% की तुलना में वर्ष 2010-11 में क्रमशः 27.0% 1.6% तथा 8.4% रहने का अनुमान है।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियां

वर्ष 2010-11, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (अ.वा.बैंक) के अग्रिमों में तीव्र वृद्धि का द्योतक रहा है जबकि जमाओं में वृद्धि मंद रही। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियों एंव अग्रिमों में वर्ष दर वर्ष वृद्धि की दर जो कि विगत वर्ष में क्रमशः 17.2% तथा 16.9% थी, की तुलना में अंत मार्च, 2011 में क्रमशः 15.8% तथा 21.4% रही। मुद्रास्फीति के उच्च स्तर सहित आर्थिक सुधार के गति पकड़ने के साथ, भारतीय रिज़र्व बैंक ने निरन्तर मौद्रिक कसाव के उपाय किये हैं। मार्च 2010 से रिपो दर में 200 आधार बिन्दुओं की वृद्धि करते हुए 6.75% की गई, रिवर्स रिपो दर 250 आधार बिन्दुओं की वृद्धि करते हुए 5.75% की गई वहीं प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात 25 आधार बिन्दु बढ़ा कर 6.0% किया गया। तथापि, वित्तीय प्रणाली में उभरते तरलता दबावों को शिथिल करने के लिए सांविधिक चलनिधि अनुपात 100 आधार बिन्दु घटाकर 24.0% किया गया है ।

भारतीय रिज़र्व बैंक के मौद्रिक नीति उपायों के समरूप वर्ष 2010-11 में ब्याज दरों में वृद्धि हुई। प्रमुख बैंकों की एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली जमा ब्याज दरें अन्त-मार्च 2010 को 6.0-7.5% से बढ़कर अन्त-मार्च 2011 को 8.25-9.75% हो गईं, जबकि बैंचमार्क मूल उधार दरें अन्त-मार्च 2010 की 11.0-12.0% से बढ़कर अन्त-मार्च 2011 तक 13.0-14.0% हो गईं। भारतीय रिज़र्व बैंक के आदेशानुसार, 1 जुलाई 2010 से बैंचमार्क मूल उधार दर प्रणाली के स्थान पर आधार दर प्रणाली प्रतिस्थापित हुई व प्रमुख बैंकों द्वारा 7.5-8.25% की सीमा के अन्तर्गत आधार दरें निर्धारित की गईं। बाद में अन्त-मार्च 2011 तक ये दरें 8.25-9.5% तक बढ़ाई गईं।

पूँजी बाजार वर्ष के दौरान उतार चढ़ाव पूर्ण रहे। अन्त-मार्च 2011 को, बीएसई सूचकांक अन्त-मार्च 2010 के स्तर से 10.9% की वृद्धि के साथ 19,445 पर बन्द हुआ। वर्ष के दौरान भारतीय रुपया अमरीकी डॉलर के प्रति 1.1% बढ़ा जबकि ब्रिटिश पाउण्ड के प्रति 5.7% जापानी येन के प्रति 11.5% तथा यूरो के प्रति 4.4% गिरा। वित्तीय समावेशन पर बल तथा विवेकपूर्ण मानदण्डों को सुदृढ़ करते हुए अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों में साख प्रवाह के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण हेतु वर्ष के दौरान सतत उपाय जारी रखे गए। वर्ष के दौरान कुछ महत्त्वपूर्ण नीतिगत सुधार निम्नानुसार थे:-

- कृषि ऋणों के लिए मार्जिन / प्रतिभूति आवश्यकताओं से छूट की सीमा ₹50,000/- से बढ़ाकर ₹1 लाख कर दी गई ।
- निर्यात कर रहे सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान किये गए ऋणों को, शर्तों के अधीन, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अन्तर्गत वर्गीकृत करने हेतु पात्र बनाया गया ।
- लघु एंव मध्यम उद्यम क्षेत्र को ₹10 लाख तक के ऋणों हेतु (पूर्व सीमा ₹5 लाख) सम्पार्श्विक प्रतिभूति स्वीकार न करने के लिए बैंकों को आदेशित किया गया।
- मार्च 2012 तक 2000 से अधिक जनसंख्या वाले प्रत्येक गांव को बैंकिंग सेवायें उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी वित्तीय समावेशन अभियान यथा 'स्वाभिमान' आरम्भ किया गया।
- ₹75 लाख व अधिक के आवासीय गृह ऋणों का जोखिम भार, ऋण मूल्य अनुपात से निरपेक्ष, 125% तक बढ़ा दिया गया।
- टीजर दरों पर स्वीकृत किये गए गृह ऋणों के लिए मानक आस्ति प्रावधान 0.4% से बढ़ाकर 2.0% कर दिया गया।
- अल्पावधि साख ऋणों का निर्धारित समयानुसार पुनर्भुगतान करने वाले कृषकों के लिए ब्याज अनुदान प्रोत्साहन को, वर्ष 2011-12 में 1% अतिरिक्त बढ़ाकर 3% कर दिया गया।
- श्रेणी 3 से 6 (50,000 जनसंख्या तक) केन्द्रों पर प्रशासनिक कार्यालय तथा केन्द्रीय प्रक्रिया केन्द्र / सेवा शाखाएँ खोलने हेतु बैंकों को और उदारता प्रदान की गई ।
- वर्ष 2010-11 के लिए कृषि साख प्रवाह लक्ष्य ₹3,75,000 करोड़ को वर्ष 2011-12 के लिए बढ़ाकर ₹4,75,000 करोड़ कर दिया गया।

सम्भावनाएं, चुनौतियां एवं परिदृश्य

केन्द्रीय बजट 2011-12 में, वर्ष 2011-12 के लिए सकल घरेलू उत्पाद में 9.0% (+/-0.25%) वृद्धि का अनुमान रखा गया है जिससे बैंकिंग प्रणाली से साख एवं अन्य सेवाओं की मांग में वृद्धि होने की आशा है। बजट में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का टायर-1 पूंजी पर्याप्तता अनुपात न्यूनतम 8% बनाये रखने के लिए ₹6000 करोड़ की अतिरिक्त सहायता प्रदान करने की घोषणा भी की गई। भारत सरकार द्वारा आरम्भ की गई एक महत्त्वपूर्ण पहल के अनुसार, विशेष रूप से प्रत्येक 2000 से अधिक जनसंख्या वाली देश की 73,000 बस्तियों में रहने वाले 5 करोड़ से अधिक